CLASS-IX 9/2012

विषय : हिन्दी (SET-I)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 90**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

(खण्ड-क)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से छाँटकर दीजिए : (1x5=5)

अच्छे और बुरे का क्या मापदंड है? हमारा अच्छा या बुरा, सुख या दुख, हानि या लाभ हम तक ही सीमित नहीं हैं। जिससे हमारे देश को हानि हो, उससे हमारा कभी लाभ नहीं हो सकता। प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह कोई ऐसा काम न करे जिससे उसके राष्ट्र की स्वतंत्रता या सम्मान को धक्का पहुँचे। महात्मा गांधी जी के शब्दों में - "यदि लाभ पहुँचाना चाहते हैं तो गरीब से गरीब व्यक्ति को भी अपने कर्म द्वारा लाभ पहुँचाओ।" देश का प्रत्येक नागरिक देश का योद्धा है। केवल सीमा पर पहरा देने वाले सैनिक ही योद्धा नहीं होते, युद्ध में जय बोलने वालों का भी महत्व है। उसके जयनाद से वीरों में उमंग और उत्साह पैदा होता है। मैच खेलते समय दर्शकों की तालियों से खिलाड़ियों में जोश उत्पन्न होता है। वे तीव्र गति से खेलते हैं। हारे हुए मैच को भी जीत जाते हैं। इससे सिद्ध होता है कि देश का हर नागरिक किसी न किसी रूप में देश के काम आता है।

(क) अच्छे बुरे का मापदंड क्या है?

(i) केवल हमारी भलाई होना (ii) सबके लिए हानि-लाभ समान

(iii) हमारा हानि-लाभ हम तक सीमित (iv) सबके लिए हानि-लाभ असमान

(ख) प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि :-

(i) उसके सम्मान को ठेस न पहुँचे (ii) उसके काम को ठेस न पहुँचे

(iii) उसके परिवार के सम्मान को ठेस न पहुँचे (iv) उसके राष्ट्र के सम्मान को ठेस न पहुँचे

(ग) देश का वह प्रत्येक नागरिक योद्धा है

(i) जो सीमा पर पहरा देता है (ii) जो देश की सेना में सैनिक है

(iii) जो किसी न किसी रूप में देश के काम आता है (iv) जो हार को जीत में बदल देता है

(घ) युद्ध में जयनाद का भी महत्व है क्योंकि :

(i) उससे वीरों में उमंग और उत्साह पैदा होता है (ii) उससे वीर शत्रुओं का नाश करते हैं

(iii) शत्रु जयनाद को सुनकर भाग जाते हैं (iv) जयनाद से वीरों को लाभ पहुँचता है

(ङ) यदि हम वास्तव में देश को लाभ पहुँचाना चाहते हैं तो हमें -

(i) अपने कर्म द्वारा सभी को लाभ पहुँचाना चाहिए

(ii) हमें योद्धा बनना चाहिए

(iii) हमें जयनाद करना चाहिए

(iv) हमें केवल अपने लाभ के बारे में सोचना चाहिए

प्र2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए :- (1x5=5)

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, अतः उसे स्वयं को समाज के लिए उपयोगी बनाना पड़ता है। वास्तव में परोपकार और सहानुभूति पर ही समाज स्थापित है। सब अपने-अपने स्वार्थ को थोड़ा बहुत त्याग करके ही समाज को स्थिर रखते हैं। ईसा ने कहा है - "जो तुममें सबसे बड़ा होगा वह तुम्हारा सेवक होगा।" समाज की प्रवृत्ति ऐसी है कि यदि आप दूसरों के काम आएँगे तो समय पड़ने पर दूसरे भी आपका साथ देंगे। अतः लोक-सेवा से मनुष्य की यश पाने की आकांक्षा की भी पूर्ति हो जाती है। लोक-सेवा के अनेक रूप हैं, जैसे देश-सेवा, समाज-सेवा, साहित्य-सेवा आदि। कोई भी रचनात्मक कार्य, जिससे सार्वजनिक हित हो, वह परोपकार है। रोग में, मृत्यु में, शोक में, बाढ़ में, भूकंप में, संकट में, दरिद्रता में, महामारी में, उपद्रवों में कदम-कदम पर सहानुभूति के अवसर विद्यमान हैं। सहानुभूति और परोपकार का अर्थ केवल दधीचि और गांधी जैसा बलिदान ही नहीं, दयालुता के छोटे-छोटे कार्य, मृदुता का व्यवहार, पड़ोसियों का सहायक बनने की चेष्टा, दूसरों की भावनाओं को ठेस ना पहुँचाना, दूसरों की दुर्बलताओं के प्रति उदार होना, किसी को निर्धन ना कहना - ये सब सहानुभूति से जुड़े परोपकार के ही लक्षण हैं। पंचतंत्र में तो परोपकार ना करने वाले की तुलना कौए से की गई है कि बहुत दिन जीकर किसी तरह वे भी अपना पेट भर ही लेते हैं। वस्तुतः एक परोपकारी का करोड़पति से बढ़कर सम्मान-स्वागत होता है। कहा भी है - "उदार चित्तवालों का तो सारा संसार ही अपना परिवार होता है।"

(i) लोक-सेवा से मनुष्य की कौन-सी आकांक्षा पूर्ण हो जाती है :

(क) धन पाने की लालसा (ख) यश पाने की लालसा
(ग) प्यार पाने की लालसा (घ) सुख पाने की लालसा

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ग-समूह एक दूसरे पर निर्भर है?

(क) दयालुता और परोपकार (ख) मृदुता और सहानुभूति
(ग) परोपकार और सहानुभूति (घ) नैतिकता और परोपकार

(iii) लोक-सेवा का कौन-सा रूप गद्यांश में नहीं है -

(क) देश-सेवा (ख) साहित्य-सेवा
(ग) प्रभु-सेवा (घ) समाज-सेवा

(iv) सहानुभूति का लक्षण इनमें से है -

(क) दूसरों को अपशब्द कहना (ख) दूसरों के प्रति घृणा करना
(ग) दूसरों की दुर्बलताओं का मज़ाक उड़ाना (घ) दूसरों के प्रति मृदु रहना

(v) पंचतंत्र में कौए को प्रतीक माना है -

(क) परोपकारी होने का (ख) दयालु होने का
(ग) सेवक होने का (घ) उदर पोषकता का

प्र3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए :- (1x5=5)

लो वही हुआ जिसका था डर, ना रही नदी, ना रही लहर।
सूरज की किरन दहाड़ गई, गरमी हर देह उघाड़ गई,
उठ गया बवंडर, धूल हवा में-अपना झंडा गाड़ गई,
गौरइया हाँफ रही डर कर, ना रही नदी, ना रही लहर।

हर ओर उमस के चर्चे हैं, बिजली पंखों के खर्चे हैं,
बूढ़े महुए के हाथों से, उड़ रहे हवा में पर्चे हैं,
"चलना साथी लू से बच कर" ना रही नदी, ना रही लहर।
संकल्प हिमालय-सा गलता, सारा दिन भट्टी-सा जलता,
मन मरे हुए, सब डरे हुए, किस की हिम्मत, बाहर निकलता,
है खड़ा सूर्य सर के ऊपर, ना रही नदी ना रही लहर।
बोझिल रातों के मध्य पहर, छपरी से चन्द्रकिरण छनकर,
लिख रही नया नारा कोई, इन तपी हुई दीवारों पर,
क्या बाँचूँ सब थोथे आखर, ना रही नदी ना रही लहर।

(क) 'गोरइया' किस डर से हाँफ रही है?

(i) सूरज की किरणों के डर से (ii) पानी के अभाव के डर से
(iii) अन्य पक्षियों के आ जाने के डर से (iv) बच्चों के चले जाने के डर से

(ख) 'झंडा गाड़ देना' का अर्थ है :

(i) झंडों को पंक्ति बद्ध करना (ii) झंडों को हवा में लहराना
(iii) जीत जाना, वर्चस्व स्थापित करना (iv) सब ओर झंडे दिखाई देना

(ग) 'संकल्प हिमालय-सा गलता' का भाव है :

(i) काम भारी-भारी लगता है (ii) काम करने की इच्छा ही नहीं होती
(iii) संकल्प हिमालय-सा ऊंचा हो जाता है (iv) संकल्प गरमी से धधकने लगता है

(घ) लोग घरों से बाहर क्यों नहीं निकलते :

(i) भय के कारण (ii) किसी में हिम्मत नहीं है
(iii) हिमालय पिघल रहा है (iv) गर्मी के कारण

(ङ) काव्यांश में किस ऋतु का वर्णन है?

(i) गरमी का (ii) सरदी का
(iii) वर्षा का (iv) वसंत का

प्र4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए - (1x5=5)

वन्देमातरम गीत नहीं मैं मंत्र हूँ जीने-मरने का।
बना रहे हथियार मुझे क्यों अपनों से ही लड़ने का।
जिन्होंने अपनाया मुझको वे सब कुछ अपना भूल गए,
मातृ-भूमि पर जिए-मरे, हँस-हँस फाँसी पर झूल गए।
वीर शिवा, राणा, हमीद लक्ष्मीबाई से अभिमानी,
भगतसिंह, आज़ाद, राज, सुख औ बिस्मिल से बलिदानी।
अवसर चूक न जाना उनके पद-चिह्नों पर चलने का
वन्दे मातरम गीत नहीं मैं मंत्र हूँ जीने-मरने का।
चंदा-तारे सुख देते पर पोषण कभी नहीं देते,
केवल धरती माँ से ही ये वृक्ष जीवन रस लेते।

(क) 'वन्दे मातरम' का अर्थ है :-

(i) वंदना का अधिकार (ii) बड़ों को आदर सत्कार

(iii) भारत माता की वंदना करता हूँ (iv) माता पर ध्यान देना

(ख) 'जिन्होंने अपनाया मुझको' पंक्ति में जिन्होंने से अभिप्राय है :-

(i) राजनेताओं ने (ii) साधु-संन्यासियों ने

(iii) प्रभु-भक्तों ने (iv) देश-भक्तों ने

(ग) 'अवसर चूक न जाना' किन के लिए कहा गया है :-

(i) देश वासियों के लिए (ii) परिवार के लोगों के लिए

(iii) भाई बंधुओं के लिए (iv) मौका परस्तों के लिए

(घ) पोषण किससे प्राप्त होता है?

(i) चाँद-तारों से (ii) धरती से

(iii) आकाश से (iv) वर्षा से

(ङ) मातृ-भूमि शब्द का अर्थ है :-

(i) माता के लिए भूमि (ii) माटी की भूमि

(iii) भूमि ही माँ है (iv) माँ ही भूमि देती है

(खण्ड-ख)

प्र5. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए :- (2)

(i) विज्ञापन (ii) कृपया

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से 'र' के उचित प्रयोग वाले शब्द छाँटिए :- (1)

(i) सार्मथ्य (ii) कर्मधारय

(iii) सामर्थ्य (iv) कर्मधार्य

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से अनुस्वार वाले दो शब्द लिखिए :- (1)

(i) संतुलन (ii) महंगाई

(iii) पत्रिकाएं (iv) संकलित

प्र6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से अनुनासिक के उचित प्रयोग वाले दो शब्द छाँटकर लिखिए :- (1)

(i) प्रतिज्ञाएँ (ii) प्रसँग

(iii) आशँका (iv) कारवाँ

(ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर लगे नुक्ते वाले शब्द छाँटिए :- (1)

(i) क़यामत (ii) ज़रा-सी

(iii) हाफ़िज़ (iv) क़ल्पना

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से मूलशब्दों और उपसर्गों को अलग-अलग कीजिए :- (2)

(i) दुर्व्यवहार (ii) पुनरुत्थान

प्र7. (क) निम्नलिखित शब्दों में से मूलशब्दों और प्रत्ययों को अलग-अलग करके लिखिए :- (2)

(i) पियक्कड़ (ii) मार्मिक

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के अन्य पर्यायवाची रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :- (2)

(i) वीणापाणि माँ _____ को मेरा प्रणाम।

(ii) बेकार _____ मत बढ़ाओ, लड़ाई करने से क्या लाभ?

(iii) वह चतुर है इसलिए पढ़ाई में भी _____ है।

(iv) गर्मियों में हवा गर्म होती है एवम् सर्दियों में ठंडी _____ चलती है।

प्र8. (क) निम्नलिखित रेखांकित शब्दों के विलोम रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :- (2)

(i) नभ में सुर और _____ दोनों का निवास है।

(ii) किसानों ने अपनी मेहनत से बंजर धरती को _____ बना दिया।

(iii) संसार में कोई उदार व्यक्ति है और कोई _____।

(iv) पराधीनता दुखों की जननी है और _____ सुखों की।

(ख) निम्नलिखित शब्दों से ऐसे दो अलग-अलग वाक्यों की रचना कीजिए कि उनके दो अलग-अलग अर्थ स्पष्ट हों :- (2)

अर्थ, कुल

प्र9. (क) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक उपयुक्त शब्द लिखिए :- (2)

(i) जिसका कोई स्वामी/नाथ न हो (ii) जिसका जन्म न हो सके

(iii) हाथ से लिखा हुआ (iv) बिना वेतन काम करने वाला

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए :- (2)

(i) कक्षा में प्रथम आकर मोहन ने दिखा दिया वह छिपा _____ है।

(ii) ताजमहल की भव्यता और सुन्दरता को देखकर विदेशी भी दाँतों _____ दबा लेते हैं।

(iii) लॉटरी खुलने के बाद जगत सिंह की पाँचों _____ में हैं।

(iv) वह भला काम तो करता नहीं, हाँ अपना उल्लू _____ कर लेता है।

(खण्ड-ग)

प्र10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटिए :-(1x5=5)

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथे छत्रु धरै ॥
जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै।
नीचह ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै ॥
नामदेव कबीरु तिलोचन सधना सैनु तरै।
कहि रविदास सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभै सरै ॥

(क) 'गुसईआ' से कवि का अभिप्राय है :-

(i) राजा (ii) पिता

(iii) देवता (iv) स्वामी

(ख) 'मेरा माथै छत्र धरै' से कवि का आशय नहीं है :-

(i) दीन दुखियों के सिर पर छत्र रखना (ii) उन्हें समाज में प्रतिष्ठित करना

(iii) उन्हें समाज में उच्च स्थान दिलाना (iv) शत्रु का विनाश करना

(ग) जिस पर प्रभु की कृपा होती है वह तर जाता है :-

(i) समुद्र से (ii) भवसागर से

(iii) महासागर से (iv) सागर से

(घ) सब कुछ करने में समर्थ है :-

(i) राजा (ii) स्वामी

(iii) ईश्वर (iv) मनुष्य

(ङ) 'ईश्वर की दृष्टि' में सब :-

(i) भिन्न-भिन्न हैं (ii) समान हैं

(iii) सम्माननीय हैं (iv) मान्य हैं

अथवा

यां आदमी पै जान को वारे है आदमी
और आदमी पै तेग को मारे है आदमी
पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी
चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी

(क) यहाँ आदमी-आदमी पर क्या न्यौछावर करता है?

(i) पैसा (ii) सम्मान

(iii) जान (iv) सर्वस्व

(ख) 'और आदमी पै तेग को मारे' में 'तेग' का अर्थ है :-

(i) बरछा (ii) तलवार

(iii) भाला (iv) चाकू

(ग) सुरक्षा की पुकार सुनकर आदमी क्या करता है?

(i) दूसरों को बुलाता है (ii) पुकार सुनता नहीं है

(iii) स्वयं भी चिल्लाता है (iv) आदमी को बचाने दौड़ता है

(घ) सभी आदमी हैं परन्तु फिर भी सब भिन्न है क्योंकि :-

(i) सबकी प्रवृत्ति अलग-अलग है (ii) सबकी जाति अलग-अलग है

(iii) सबके देश अलग-अलग हैं (iv) सबके धर्म अलग-अलग हैं

(ङ) पगड़ी उतारने का अर्थ है :-

(i) पगड़ी उतार देना (ii) पगड़ी गिरा देना

(iii) अपमानित करना (iv) पगड़ी फेंक देना

प्र11. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :- (2x3=6)

(क) पठित पाठ के आधार पर लिखिए कि गोधूलि गाँव में ही क्यों होती है?

(ख) 'दुख का अधिकार' पाठ के आधार पर बताइए कि मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्त्व है?

(ग) नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा? 'एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा' पाठ के आधार पर लिखिए।

प्र12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए :- (5)

'धूल' पाठ का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

खरबूजे बेचने वाली स्त्री के बेटे की मृत्यु कैसे हुई? उसने लड़के को बचाने के लिए क्या-क्या उपाय किए?

प्र13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

जब अप्रैल में मैं बेस कैंप में थी, तेनजिंग अपनी सबसे छोटी सुपुत्री डेकी के साथ हमारे पास आए थे। उन्होंने इस बात पर विशेष महत्व दिया कि दल के प्रत्येक सदस्य और प्रत्येक शेरपा कुली से बातचीत की जाए। जब मेरी बारी आई, मैंने अपना परिचय यह कहकर दिया कि मैं बिलकुल ही नौसिखिया हूँ और एवरेस्ट मेरा पहला अभियान है तेनजिंग हँसे और मुझसे कहा कि एवरेस्ट उनके लिए भी पहला अभियान है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि शिखर पर पहुँचने से पहले उन्हें सात बार एवरेस्ट पर जाना पड़ा था। फिर अपना हाथ मेरे कंधे पर रखते हुए उन्होंने कहा, 'तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।- 15-16 मई 1984 को बुद्ध पूर्णिमा के दिन मैं ल्होत्से की बर्फ़ीली सीधी ढलान पर लगाए गए सुंदर रंगीन नाइलॉन के बने तंबू के कैंप-तीन में थी।

(क) बेस कैंप में आकर तेनजिंग ने किस बात पर बल दिया? (1)

(ख) लेखिका ने अपना परिचय किस प्रकार दिया? (2)

(ग) लेखिका को किस प्रकार प्रेरणा मिली? (2)

अथवा

हमारी सभ्यता इस धूल के संसर्ग से बचना चाहती है। वह आसमान में अपना घर बनाना चाहती है, इसलिए शिशु भोलानाथ से कहती है, धूल में मत खेलो। भोलानाथ के संसर्ग से उसके नकली सलमे-सितारे धुँधले पड़ जाएँगे। जिसने लिखा था - "धन्य-धन्य वे हैं नर मैल जो करत गात कनिया लगाय धूरि ऐसे लरिकान की", उसने भी मानो धूल भरे हीरों का महत्त्व कम करने में कुछ उठा न रखा था।

(क) हमारी सभ्यता किससे बचना चाहती है? (1)

(ख) आज की सभ्यता अपने बच्चों से क्या कहती है? (2)

(ग) किन लोगों को धन्य कहा गया है और क्यों? (2)

प्र14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3x3=9)

(क) आदमीनामा के आधार पर आदमी की प्रवृत्तियों के विषय में बताइए।

(ख) जल हीन कमल की रक्षा सूर्य भी क्यों नहीं कर सकता पठित दोहे के आधार पर लिखिए।

(ग) मोती, मानुष, चून के सन्दर्भ में पानी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

(घ) - रैदास ने प्रथम पद में भगवान और भक्त की जिन चीज़ों से तुलना की उनमें से किन्हीं तीन का उल्लेख कीजिए।

प्र15. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (3+3=6)

(क) 'गिल्लू' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखिका ने गिलहरी के बच्चे का उपचार किस प्रकार किया?

(ख) कुएँ की पाट पर बैठकर दोनों भाई क्यों रो रहे थे? 'स्मृति' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) पठित पाठ के आधार पर उनाकोटी का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताएँ कि उसके निर्माता कौन थे? यह नाम क्यों प्रसिद्ध है?

प्र16. 'स्मृति' पाठ को पढ़ने के बाद किन-किन बाल सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है? (4)

अथवा

सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है? 'गिल्लू पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(खण्ड-घ)

प्र17. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए :- (5)

(क) बढ़ते उद्योग कटते वन
- वन पर मनुष्य की निर्भरता
- प्राकृतिक असंतुलन
- वन संरक्षण

(ख) जीवन में त्योहारों का महत्त्व
- त्योहारों की आवश्यकता
- पर्वों के विविध प्रकार
- बंधुत्व को बढ़ावा

(ग) विज्ञापन और हमारा जीवन
- विज्ञापन का उद्देश्य
- विज्ञापनों के विविध प्रकार
- विज्ञापनों का सामाजिक दायित्व

प्र18. आपको जन्मदिन पर 'हिन्दी शब्द कोश' उपहार में मिला है, पिताजी को उसकी उपयोगिता बताते हुए धन्यवाद पत्र लिखिए। (5)

अथवा

विद्यार्थी जीवन पर दूरदर्शन का क्या प्रभाव पड़ रहा है, इसके बारे में पत्र लिख कर अपने छोटे भाई को वास्तविकता से अवगत कराएँ।